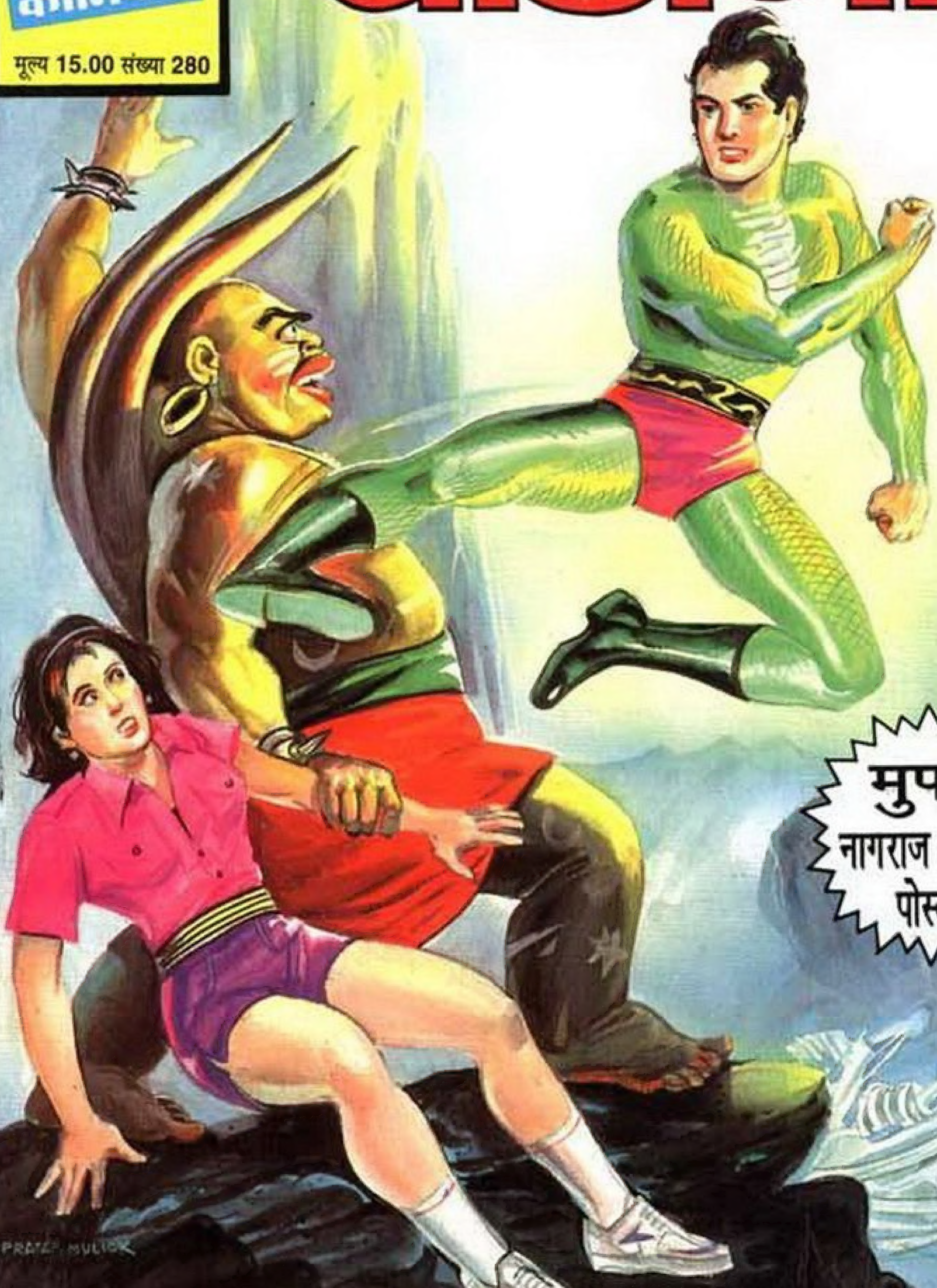


बागाराज और थोडांगा

राज
कॉमिक्स

मूल्य 15.00 संख्या 280



मुफ्त

नागराज का एक
पोस्टर



* लेखक : संजय गुप्ता
* संपादन : मनीष चंद्र गुप्त
* चित्रांकन : सुकीक स्टुडिओ



सम्राट थोड़ांगा

तन्जानिया के जंगलोंका बेताज बादशाह
जंगल का सबसे क्रूर व हिंसक जानवर
कहते हैं उसे।

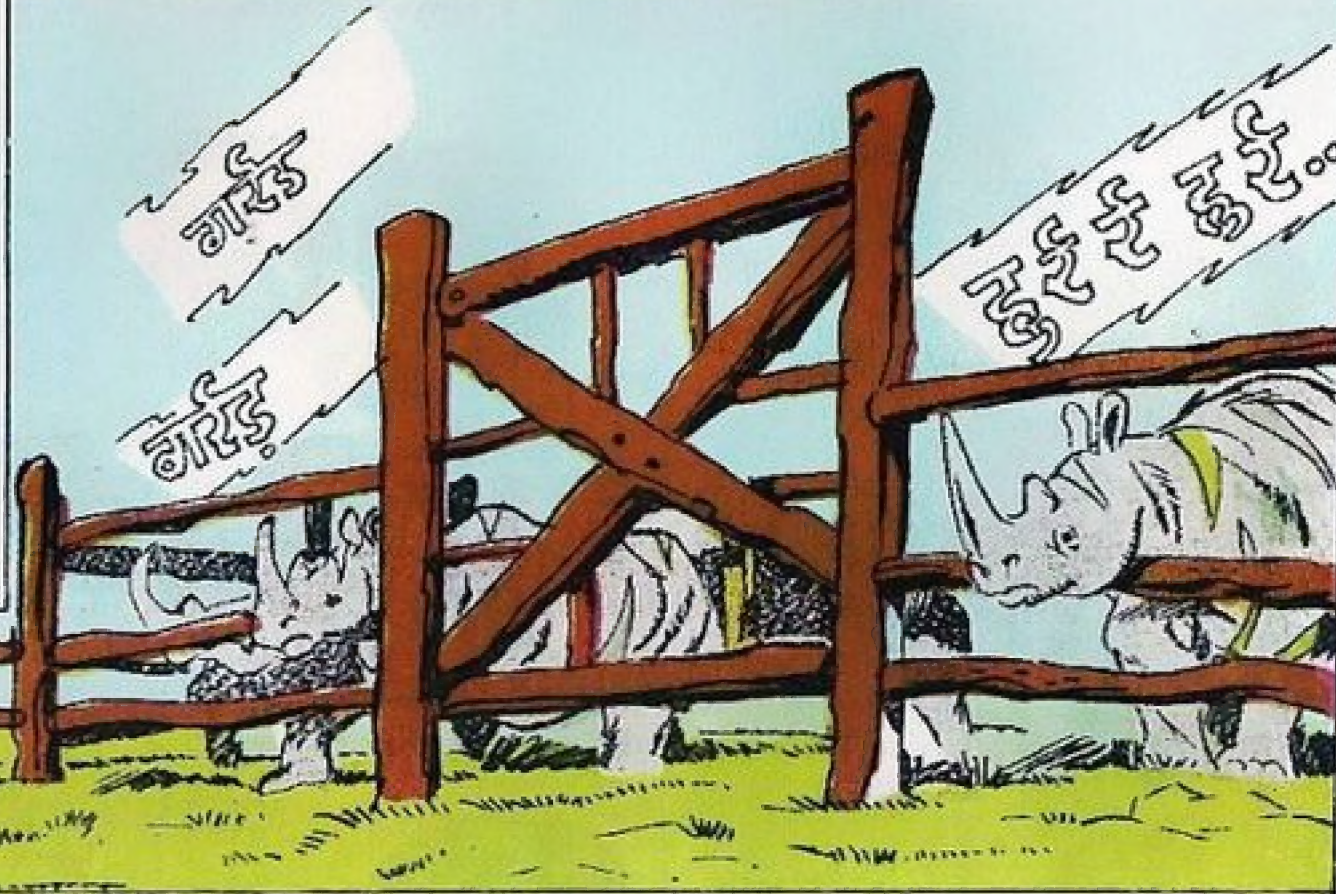
हाथियोंको तो वह यूं
काटता है, जैसे लोग
भेड़-बकरियां काटते हैं।

थोड़ांगा को रोज एक हाथी का मांस खाने के लिये चाहिए इसलिए
थोड़ांगा की घाटी में कोई जीवित हाथी नहीं मिलता।

थोड़ांगा ने एकाएक हाथीके सीट का वह टुकड़ा नोचना बन्द किया।



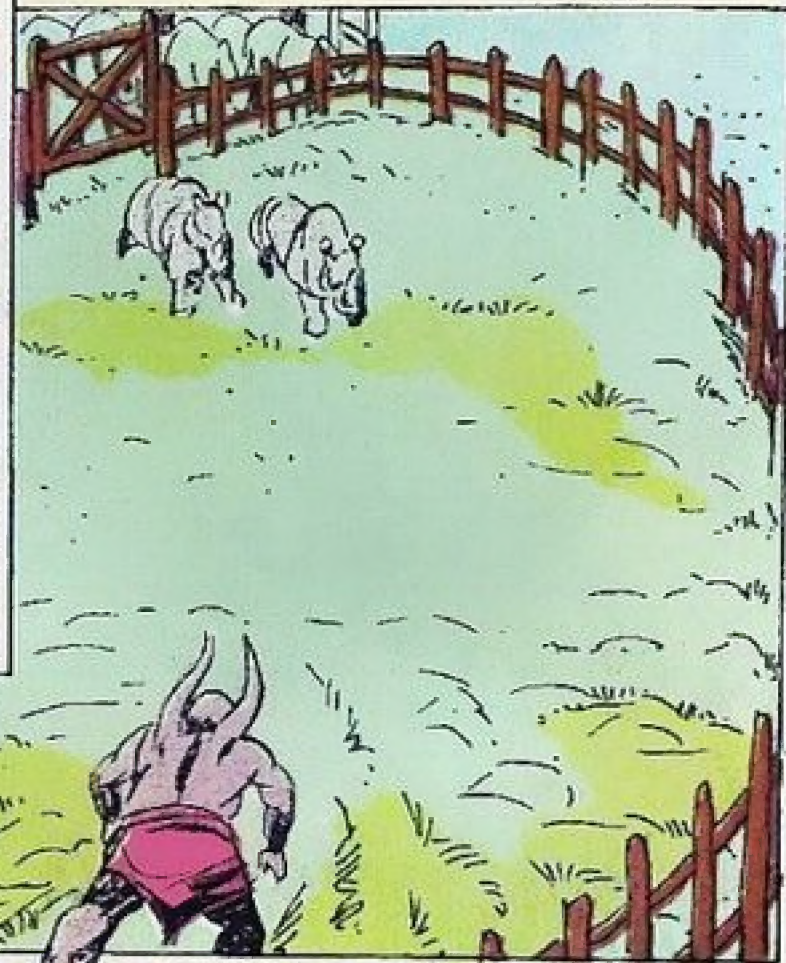
यह शायद संकेत था जिपा के लिए—



जिपा ने पिंजरे का द्वार खोल दिया।



थोड़ांगा गैडोंवाले जंगलमें प्रवेश कर गया



और... इन्सानी गैडा दो गैडों के सामने खड़ा था —

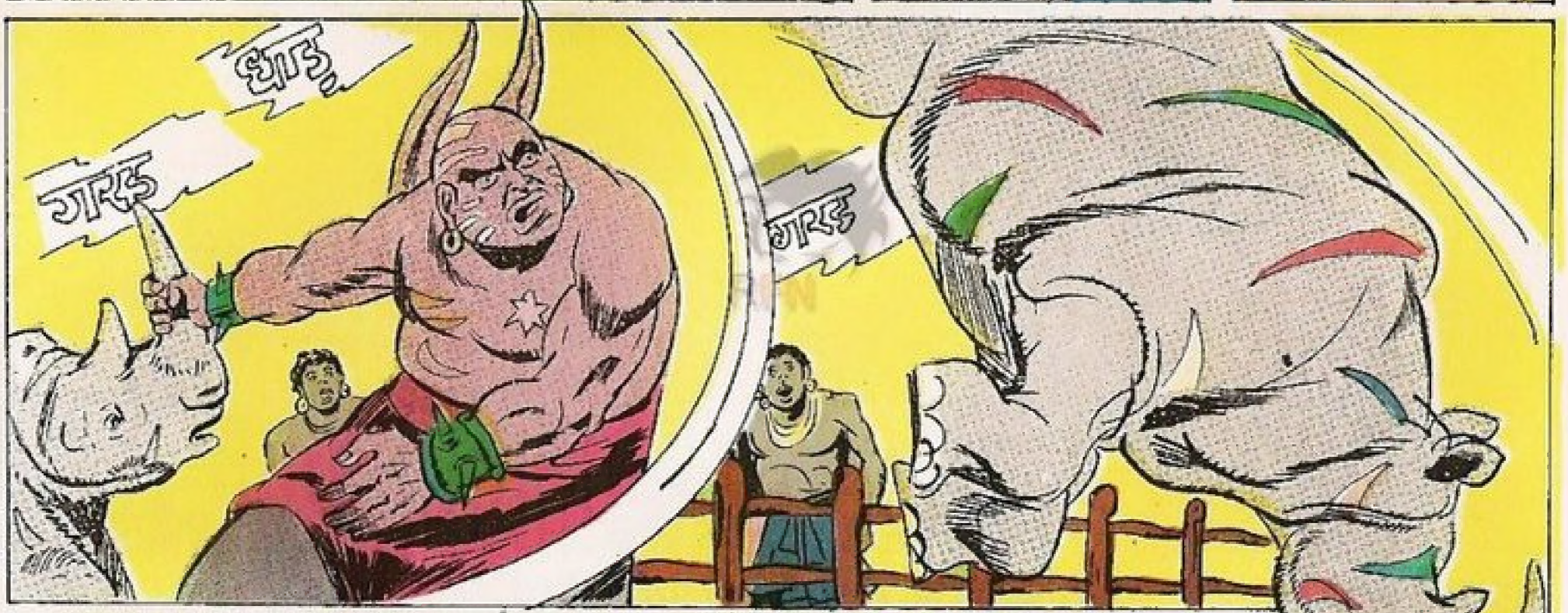


तुममें से पहले कौन मरेगा?



अपने महादुश्मन को सामने देखते ही दोनों गैण्डे क्रोधसे बिफरे थोड़ागा पर झपटे -

ओह! दोनों एकसाथ ही आ रहे हैं। आओ-आओ।



दूसरे गैण्डे को भी सींग से पकड़कर उठा लिया थोड़ागा ने-



अब तुझे तेरे चार के पास भेजूंगा गैण्डे



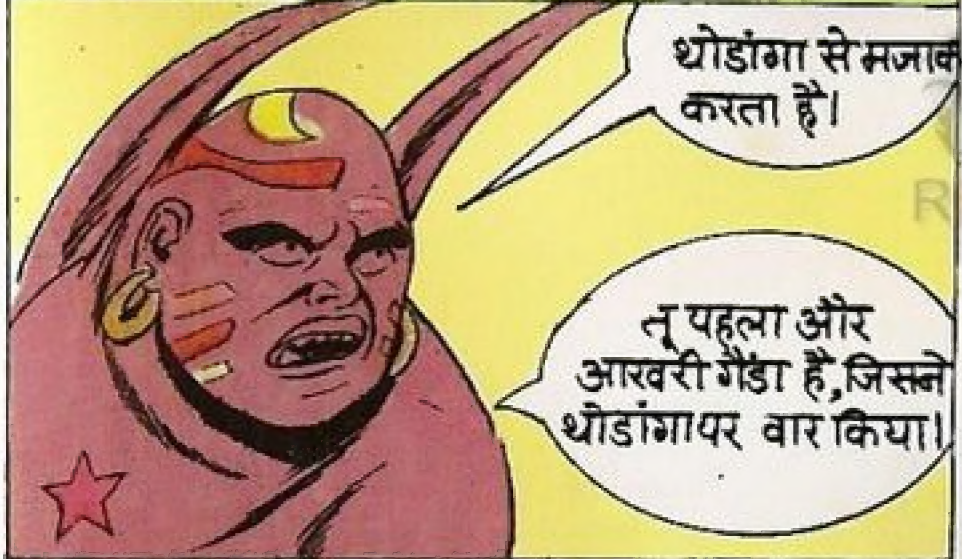
थोड़ागाने भयंकर हुंकार भरी। आश्चर्य-जनक रूप से उसका सिर गर्दनमें समा गया, फिर —



इसी क्षण दूसरे गैंडेने थोड़ागा के टक्कर जड़ दी।

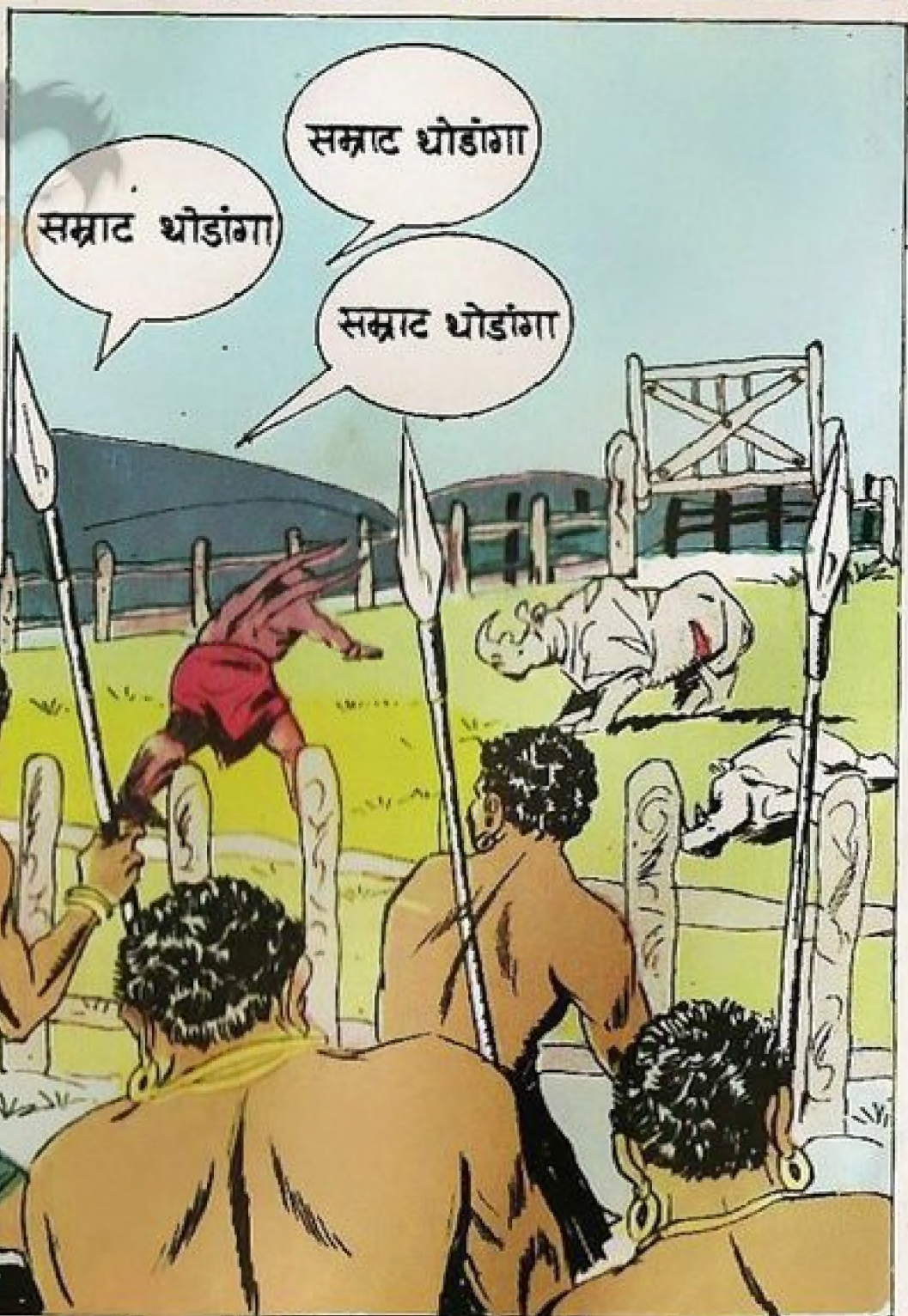


पट'से थोड़ागा का सिर बाहर निकला —



थोड़ागा से मजाक करता है।

तू पहला और आखरी गैंडा है, जिसने थोड़ागा पर वार किया।



भयानक रूप से गैंडा थोड़ागापर झपटा।उतनी ही तेजी से टकराए थोड़ागा के सींग गैंडे के सींगों से —

इसटक्कर से मैं धरतीको पातालमें भेज सकता हूँ बेटे!



बेहद हिंसक हो चुके थोड़ागा ने अधमरे गैंडे का सींग पकड़कर उस्वाड़ दिया —

ख
चा
क



गैंडों के मरते ही जिपाने बाड़े में प्रवेश किया —



मुबारक हो
सम्राट
थोड़ागा!

इन दोनोंकी लाशों
को ठिकाने लगा
दो जिपा !



थोड़ागा वापस अपने टबमें आकर फैल गया।

मेरा मकसद अभी
अधूरा है।काबुकीका
खजाना चाहिए मुझे

और खजाना तब तक मुझे हासिल नहीं
हो सकता जब तक गुरु एलिफैंटा अपने
मकसदमें कामयाब नहीं हो जाते।
उफ !



‘काबुकी के खजाने’ के विषय में जानने के लिये 5
पढ़ें: ‘नागराज और काबुकी का खजाना’





सम्राट... थोड़ा... थोड़ा... हमने
गैडों को लगभग एकड़ लिया था।
लेकिन तभी उस नागमानव ने...।
सम्राट... उसके ऊपर से सांप
छूटते थे। उसने हमें मार-पीट
कर हमसे गैडों को बचा
लिया।

नागराज!
मैं तुझे कच्चा
पखा जाऊंगा।



कृष्ण थोड़ा ने उन जंगलियों को
गैडों के पांव तले कुचलवा दिया—

फिर—

जिजा! सिरी नाम
की वह सुन्दरी कहाँ है?
उस ऑफिसर ऑफिसर की
बीवी है न वो?

सम्राट थोड़ा!
उसे गुफा में कैद
किया है मैंने।



और फिर चल पड़ा जिजा मौत
क ताण्डव मचाने मकालू की ओर—

उधर नागराज डेनियल के साथ गुंठारा की घाटी
से बाहर निकला—

नागराज! यहां
के जंगली कबीलों
का बच्चा-बच्चा थोड़ा
की घाटी का पता
जानता है...

अब हमें थोड़ा की
घाटी पहुंचना है।



...लेकिन थोड़ा के
भय से कोई अपनी जुबान
नहीं खोलेंगा।

मकालू का सरदार
ओसाका जरूर हमारी
मदद करेगा।



ठीक उसी क्षण मकालू कबीले पर तबाही दस्तक
दे रही थी—



झिंझा!

कहते हैं जिपा का हथौड़ा जब उठता है तो तबाही आ जाती है।

लाशों के ढेर लग जाते हैं।

सम्राट थोड़ांगा
से नमक हरासी? आज
के बाद कोई ये दुःसाहस
नहीं करेगा।

??



और लाशों के ढेर लग भी गए।

झींघ ही बुरी तरह आतंकित बचे - खुचे कबीले के लोग
जिपा के पैरों पर आ गिरे -

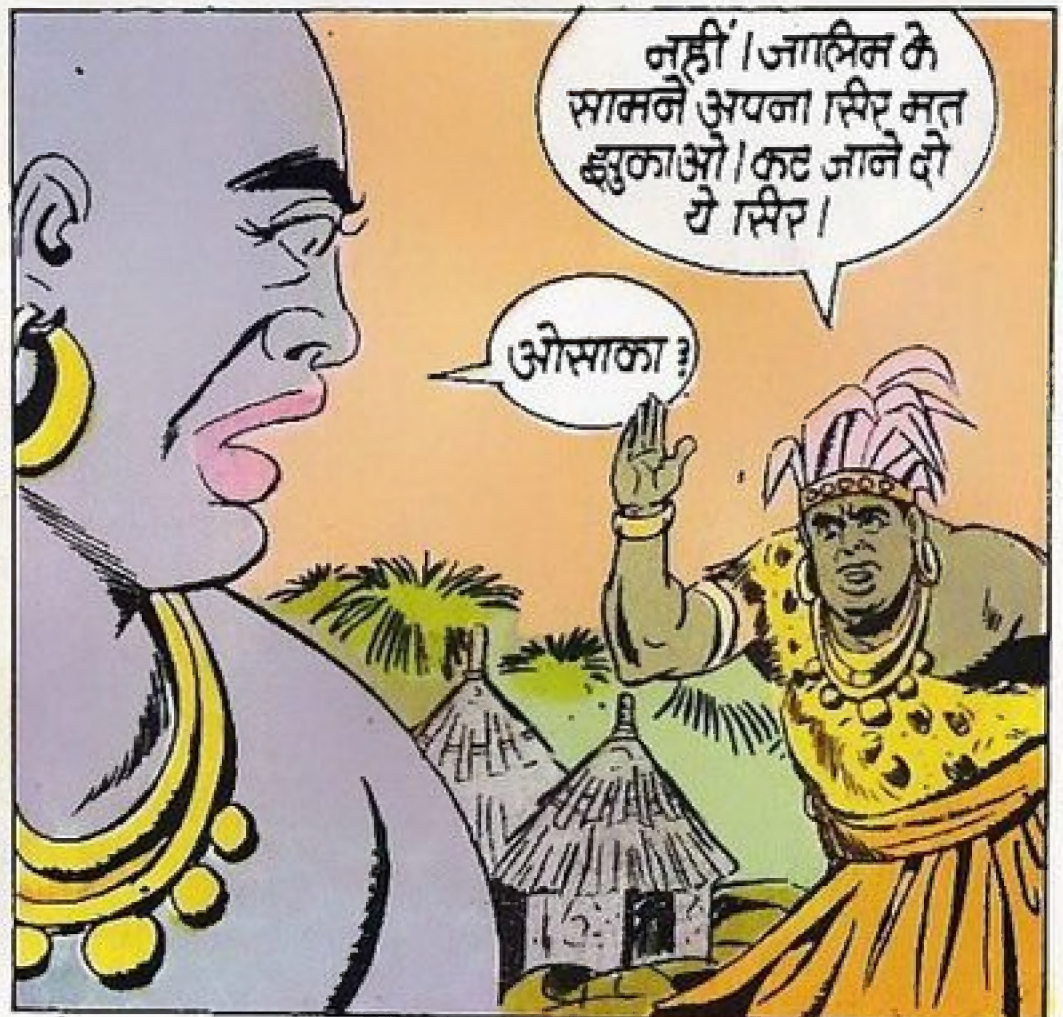
बस जिपा बस। और
कहर मत बरसाओ। रोक
लो अपना हाथ।

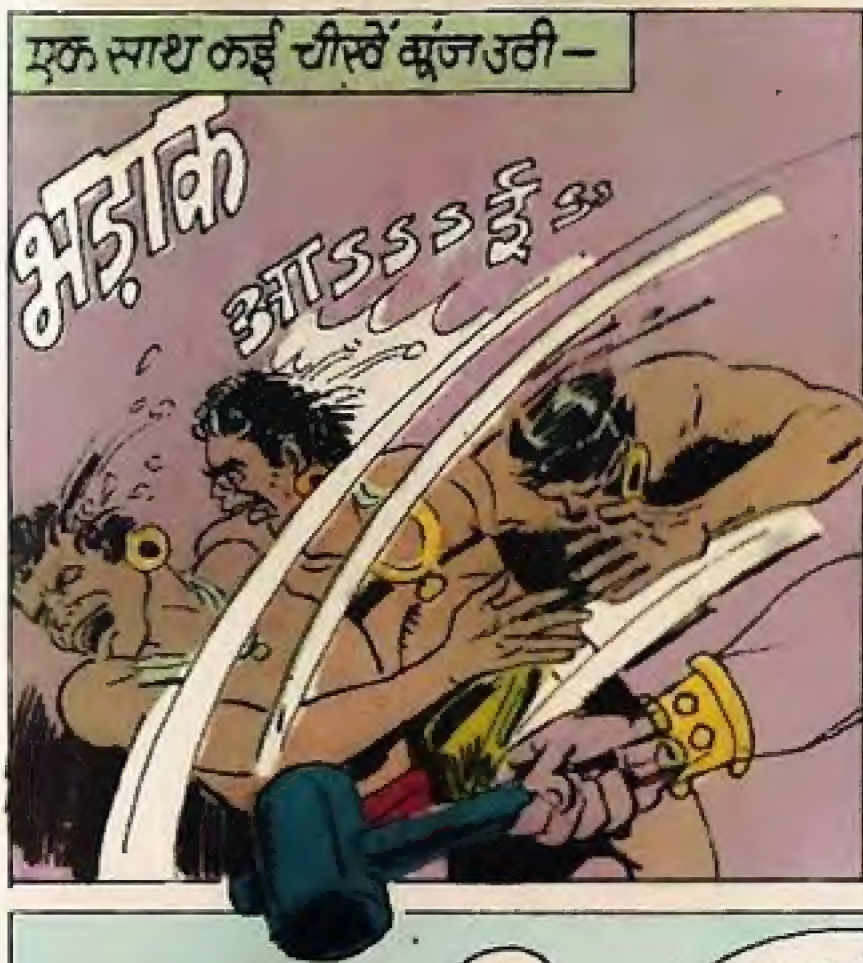
घाणों की
मीस दे दो
हमें।



नहीं। जात्रिम के
सामने अपना सिर मत
झुकाओ। कट जाने दो
ये सिर।

ओसाका?





लेकिन जिण का हथौड़ा नीचे नहीं आ पाया —



छबराओ नहीं सरदार उगेसाका! अब ये जिन्दा नहीं बचेगा।



अगले ही पल —



इन केंचुओं का जहर सुहर पर असर नहीं करता नागराज!



जिपा का हथौड़ा ओसाका के सिर से टकराया और वह बेहोश हो गया —



जिपा अपना हथौड़ा उठाने के लिए झुका ही था, कि —



अगला वार करने का मौका नहीं मिला उसे —

नागराज! अपने भगवान की याद कर ले।



नागराज की आंखों के आगे अंधेरा छाने लगा —

ओह! इसने मुझे ऐसे दाव में जकड़ लिया है कि वस फीट के इस राक्षस के शरीर में मैं अपने दांत भी नहीं गढ़ा सकता।



तभी —

अरे! यह हमला किसने किया? कौन है मेरा मददगार?

हमलावर को देखते ही जागराज को आश्चर्य का झटका लगा —



गींहे को देखते ही जिपा ने एक भयंकर हुंकार भरी। ठीक इसी पल गींड़ा पुनः जिपा पर झपटा —



जिपा ने गींहे को सींग से पकड़ लिया —



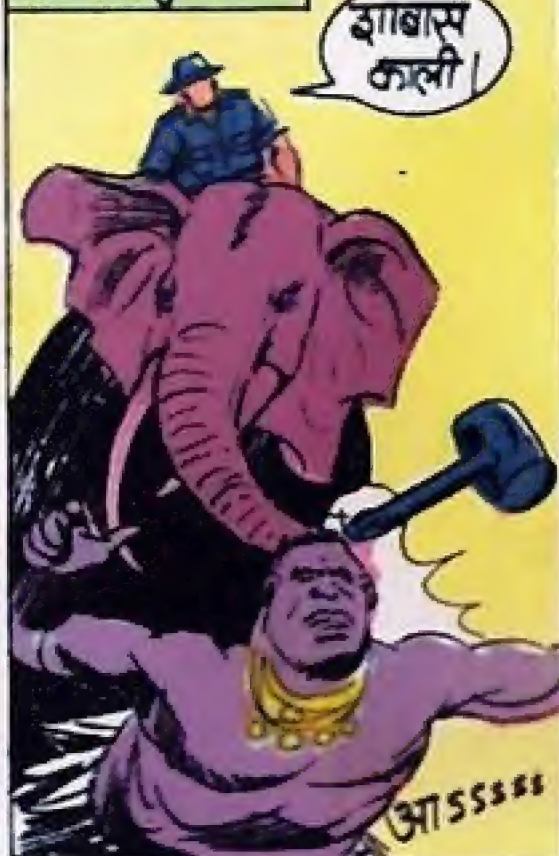
तभी —



हथौड़े की चोट से उछलकर जिपा गींहे पर गिरा। गींहे ने उसे सींगों पर रखकर उछाल दिया —



काली ने सूँठ में जकड़ा हथौड़ा एक बार फिर घुमाया —



हथौड़े की चोट से जिपा उछला तो गींहे का सींग उसकी पीठ में जा घुसा —



इसी पल नागराज के हाथ से निकलकर जिपा की गर्दन को कास लिया नागराज ने —

जिपा! तू तो जानवर कहलाने के भी लायक नहीं।

देख, जानवर कितने मददगार साबित होते हैं।



इस बार जिपा नीचे गिरा, तो फिर उठ न सका —

काली... सतंगे! दोस्तो! आज तुमने अपनी दोस्ती का फर्ज खूब निभाया। नागराज तुम्हें हमेशा याद रखेगा।

नागराज! ओसाका शायद बेहोश हो गया है।



नागराज व डोलियल ने ओसाका को नीचे उतारा। काली सूँठ में पानी भर लाया, और —

वाह, काली!



जल्दी ही ओसाका को होश आ गया —

आह! क्या जिपा मारा गया?

हां, सरदार ओसाका! वह पड़ी उस कमीने हत्यारे की लाश।



थोडांगा का भी यही हथ होना है ओसाका! लेकिन यह तब होगा जब तुम हमें थोडांगा की छाटी ले जाओ।

हां-हां! अपनी जान की परवाह नहीं सुझे! मैं तुम्हें वहां जरूर ले जाऊंगा नागराज!



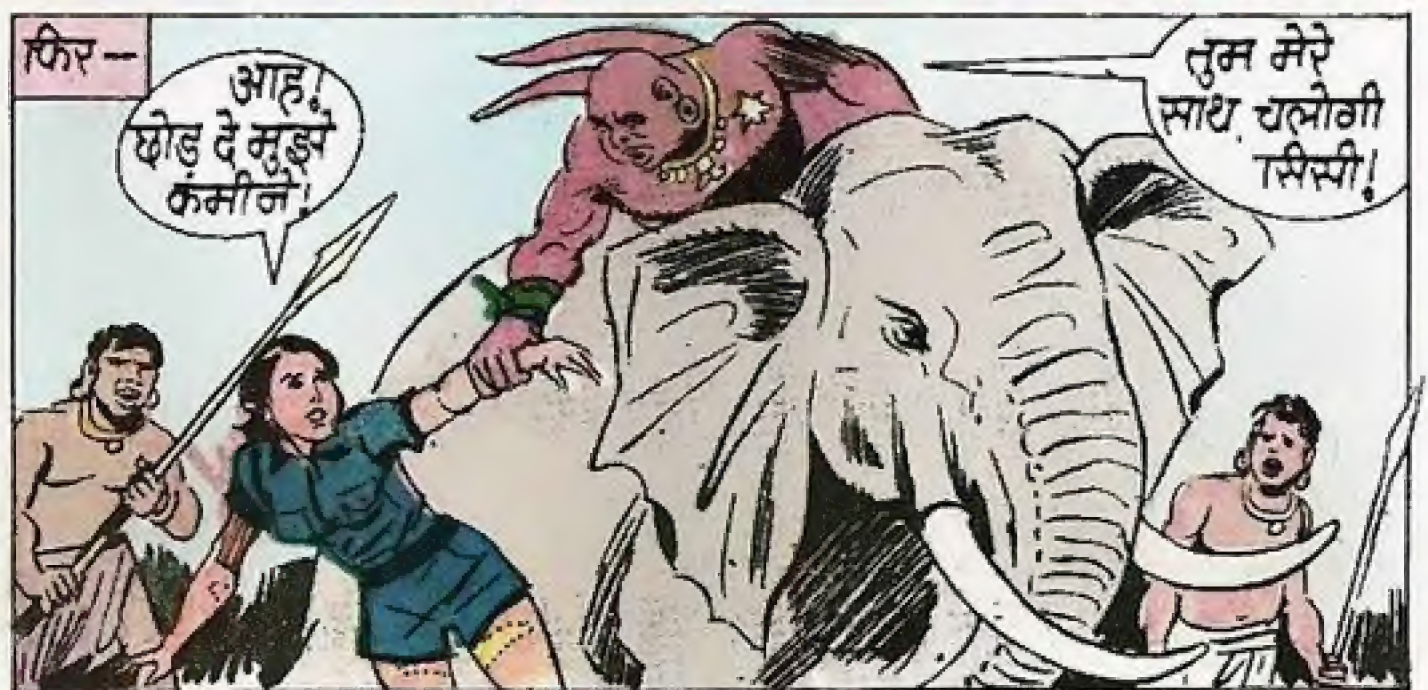
उधर थोडांगा की छाटी में थोडांगा उस समय उछल पड़ा —

जीवित काबुकी! थोडांगा की छाटी में जीवित काबुकी?





हाथी पर चढ़ बैठा थोडांगा, तभी—



छोड़ कमीने!
आह!

अगर उन्होंने मेरा रास्ता रोकने
की चेष्टा की तो इसकी जान लेने
की धमकी उनके कदमों में
बेड़ियां छाप देगी।

बड़ी मुश्किल से हाथ
लगाने में ये काबू की! मैं यह
सुनहरी सीका लड़ाई -
झगड़े में नहीं गंवा
सकता।

उफ! इसकी
गैडे जैसी स्वाभाव पर
मेरे मुक्के का कोई
असर ही नहीं
हो रहा।

इधर नागराज, डेनियल व ओसाका के साथ काबू पर सवार थोडांगा की छाती के निकट आ पहुंचा -

नागराज! उस हाथी
की झुलझ की भारी चढ़ान के
पीछे से रास्ता जाता है थोडांगा
की छाती की।

ओह! हम थोडांगा
के एरिया में हैं। डेनियल
सावधान रहना। तुम
भी ओसाका!

लेकिन अभी वे उस चढ़ान से
कुछ दूर ही थे कि -

स्वतः!

हूर्वर्
टुंग टुर्वर्

उफ!

बचो सरदार!
डेनियल

दोबारा फायरिंग का सीका नागराज ने
उन्हें नहीं दिया -

हिकका

फुकका

आह!

आह

सर्वरस्मी पर कुत्सता हुआ नागराज
जंगलियों के लिए कहें बन गया —



फिर —



नागराज काली पर सवार
घाटी में प्रवेश कर गया —



थोडांगा की घाटी में पहुँचते ही चारों
तरफ से घिर गया काली —



तरानक रूप से नागराज
के मुँह से फूट निकली विष
फुंकार...



इसी क्षण एक फायर बूजा, और काली
की करुण चिंछाड़ से चप्पा-चप्पा गूँज उठा...



पेड़ के पत्तों में छिपा जंगली नागराज की विष बुझी निगाहों से बच न सका, और —



दर्द से चिंघाकता काली नीचे बैठ गया —

नहीं काली नहीं! कदम-कदम पर साथ दिया है तुने हमारा। मंजिल पर पहुंच-कर साथ छोड़ रहा है तू!

उफ!



फिर एकाएक ही सुलग उठा नागराज —

तेरी कसम काली! इस घाटी में अब एक भी थोड़ा-का कुत्ता जीवित नहीं बचेगा!



आगे बढ़ते जंगलियों पर मौत बनकर दूट पड़ा नागराज —



होनियल ने गोली चर्चा कर दी —



एक जंगली रंगीन बोंडों के पिंजरे तक जा पहुंचा, और —



बोंडों के साथ आगने से मानो धरती पर मूचा आ गया —



मूचाल का कम्पन महसूस करते ही चौंकर पलटा नागराज—

ओह! थोडांगा के रंगीन गैंडे। ये सब इसी तरह आ रहे हैं।

नागराज! ये हमें कुचल डालेंगे।



लेकिन इससे पूर्व कि एक भी गैंडा उन तक पहुंच पाता—

चारहूँ ३३३
छादहूँ ३

सतरंगा!



और बुरी तरह न जाने क्या कहा सतरंगो ने कि सभी गैंडे नागराज के आगे जलमस्तक हो गए—

उफ! ऐसा चमत्कार डेनियल ने पहले कभी नहीं देखा।

सतरंगो ने दोबारा हमारी मदद की है डेनियल!



फिर कुछ मिनट की तलाशी के बाद बचे-खुचे ये ही लोग मिल सके—

इनमें सिंसी तो कहीं नहीं है नागराज!

अभी पता लग जायेगा।



नागराज! हमें छोड़ दो। हम थोडांगा के साथ काम करने पर मजबूर थे। वरना वह हम पर जुल्म करता। ठीक है। पहले यह बताओ कि थोडांगा कहाँ है?



थोडांगा काबुकी पर सवार होकर कैदी युवती सिंसी के साथ काबुकी का खजाना लेने गया है। ०००

००० उसके बुरे प्रेसिफेंटा ने अपने योग बल पर उसे एक ऐसा काबुकी बूढ़ा दिया था, जो कि मरने वाला है।

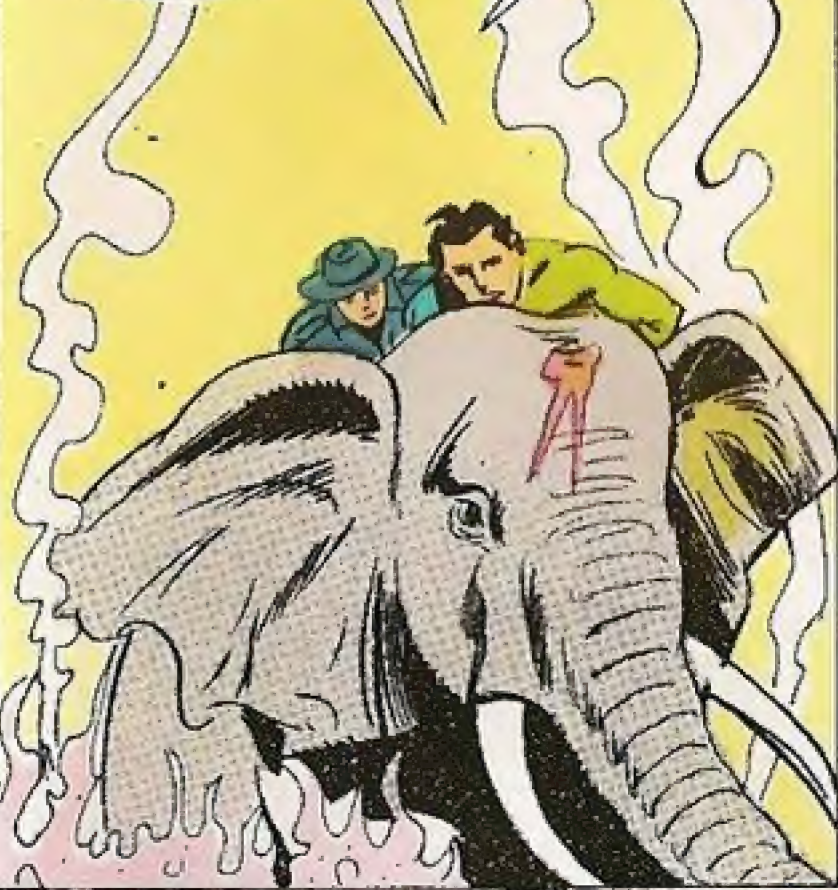




दोनों सांस रोके उसकी पीठ पर चिपके रहे —

कैसे-कैसे
सायाजाल हैं अफ्रीका के
इन जंगलों में। धरती
ही अंगारा बनी
है।

गर्मी भी
कितनी है। उफ!
किंतु ये काली जा
कहां रहा है?



अंगारों की धरती से निकलकर काली पहुंच गया लुकीली, बिबेली,
कंटीली झाड़ियों में —

एक फीटे
लम्बे लुकीले कांटे
मैंने आज तक
नहीं देखे।

आदमकद कंटीली
झाड़ियां?



लम्बे जहरीले कांटे काली की सरत खास को भी चीरते चले गए —



काली के कांटों की छाटी से बाहर निकलते
ही दोनों की आंखें एक बार फिर आश्चर्य
से फैल गईं —

उफ! नागराज!
काली के पांवों पर सांप
बिचुर लिपटे हैं।

नहीं!



नागराज ने बिष भरी फुंकार
फेंकी —

इन जहरीले सांप -
बिचुरों की काली से अलगा
करना होगा, अन्यथा ये
ऊपर चढ़कर
डेनियल को
डस लेगी।



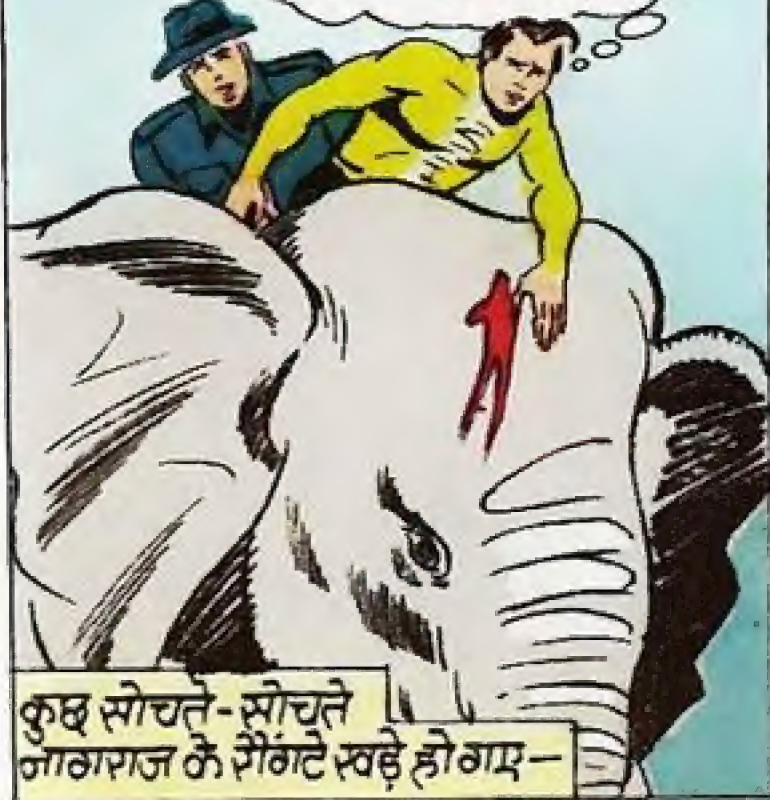
और अब, काली बढ़ रहा था उस लुकीली चट्टान
की ओर —

आगे तो
कोई छाटी
भरा रही है
नागराज!



सुइये तो
इसमें कोई रहस्य
भरा रहा है। काली इस
प्रकार इतने खतरनाक
रास्तों से होकर...

काली की गोली लगी है। कहीं काली... उफ... नहीं।



कुछ सोचते-सोचते नागराज के रींगटे खड़े हो गए—

उधर थोडांगा का काबुकी सब बाधाओं को पासकर जहां पहुंचकर रुका—

क... काबुकी का खजाना?

काबुकी का खजाना! उफ!



एकएक काबुकी लड़खड़ाकर बैठ गया, और—

अरे! इसने तो दम तोड़ दिया।

कितना विशाल हाथी दांत का भण्डार!

अरबों-खरबों का खजाना!



हा हा हा! आखिर मैंने पा लिया काबुकी का खजाना।

???



थोडांगा! ये खजाना सरकार की अमानत है।

...देश की उन्नति व सैलस गेम सिजर्व के जानवरों की सुरक्षा के लिये इसका उपयोग होगा।



तुम बेवकूफ हो रिसी! कई माह से जंगलों में डेरा डाले पड़ा हूं। सिर्फ इसकी एक इलाक पाने के लिए। इस पर केवल मेरा अधिकार है। हा हा हा।

लेकिन तुम इतना विशाल खजाना लेकर कैसे जाओगे?







तो यह तुम्हारी हरकत है। मुझे तुम्हारी यह हरकत भी पसन्द आई सिस्सी! क्योंकि अब तुम्हें इन्हीं दांतों व हाडिडियों के बीच रहना है। मैं तुम्हें यहीं छोड़कर जा रहा हूँ सिस्सी!

ठीक इसी पल अपने-अपने हाथी पर चढ़ते जंगलियों में भगदड़ मच गई—



लेकिन इससे पहले कि थोडांगा की टक्कर सिंसी के

पर खच्चो उड़ा देती—



सिंसी ss

आह!



धड़ाक



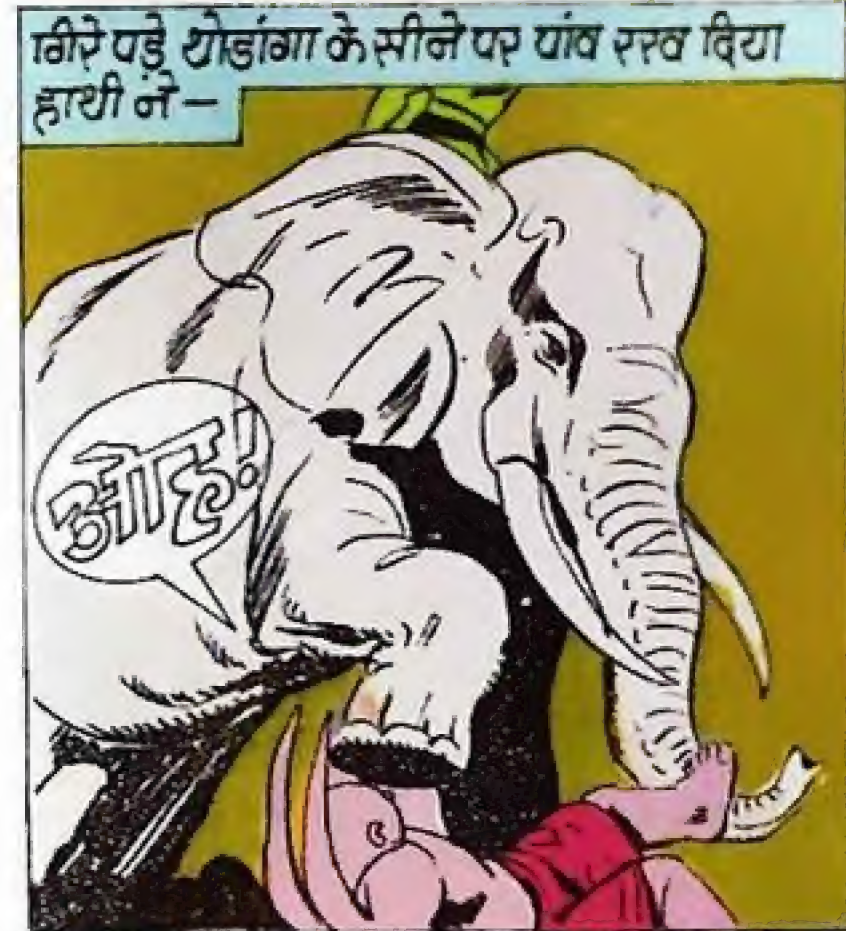
उफ! डेनियल त... तुम... तुम जीवित हो डेनियल!

हां सिंसी! नागराज ने यह उपकार किया है सुझ पर!



नागराज ने हाथी के मस्तक पर अंकुश के प्रहार करके उसे उत्तेजित किया। परिणामस्वरूप—

अब तेरा अंतिम समय आ गया है थोडांगा!



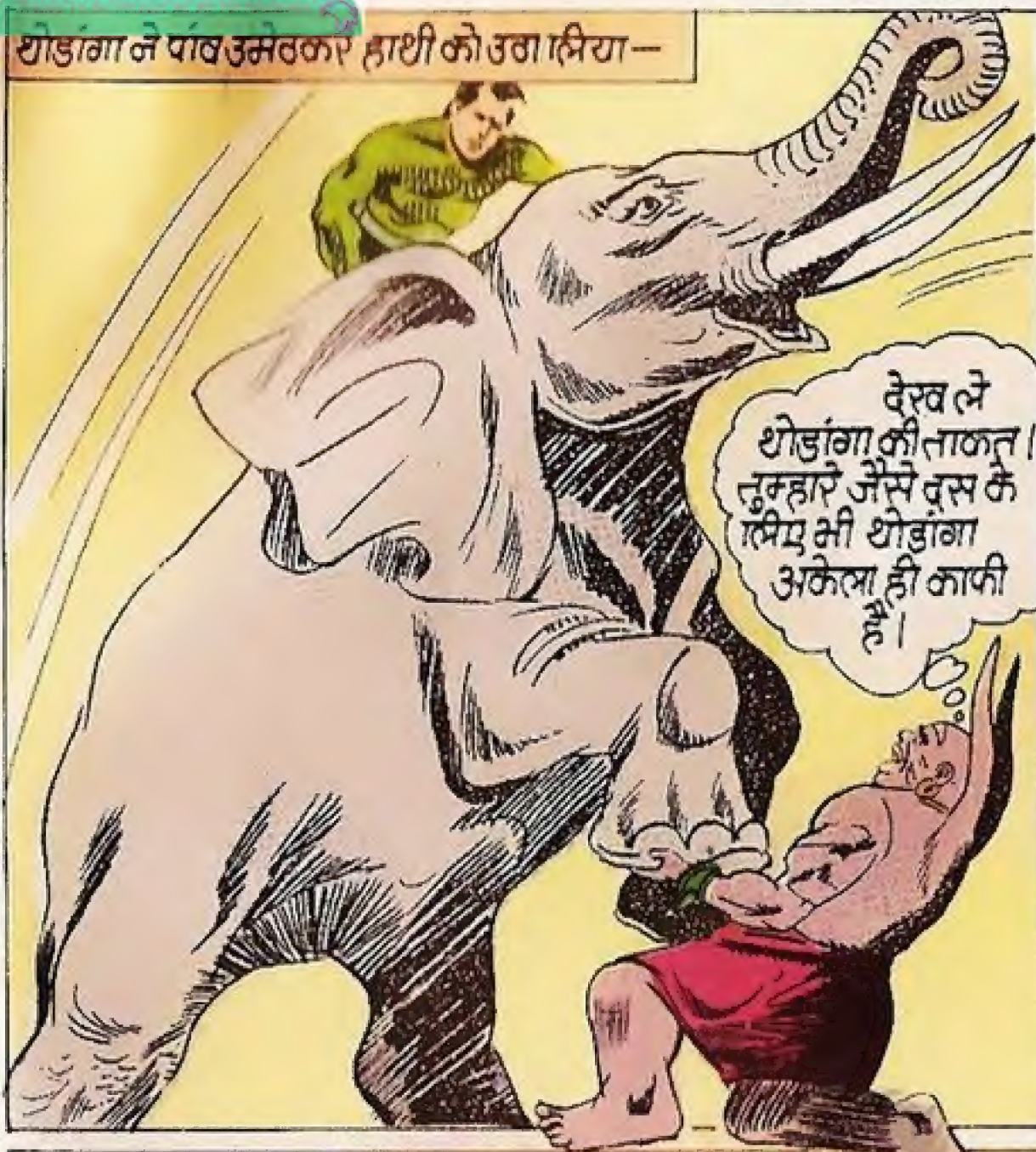
गीरे पड़े थोडांगा के सीने पर पांव रख दिया हाथी ने—

ओह!



थोडांगा की ताकत देखना चाहता है मूर्ख!

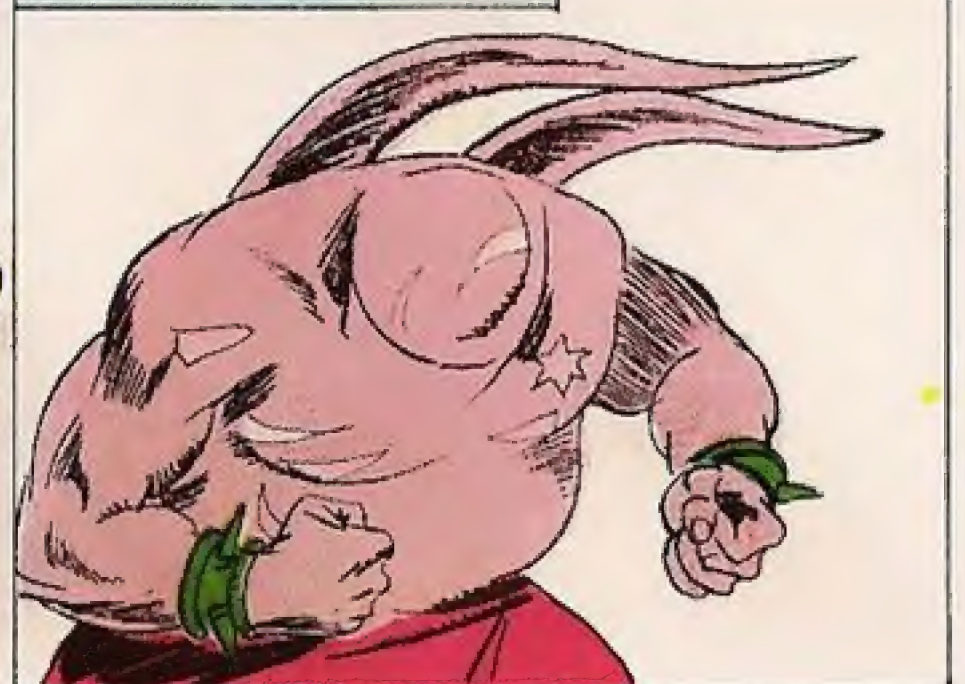
थोडांगा ने पाँव उमेरकर हाथी को उठा लिया—



उठते हुए नागराज पर चीते की तरह दूट पड़ा थोडांगा—



भयानक हुंकार भरते थोडांगा का सिर कछुबे की तरह गर्दन में समा गया—



थोडांगा गैंडे की तरह कंधे झुकाए
नागराज पर झपटा —

ओह! इसका
सिर तो अन्दर घुस
गया है!



मुझे इसके
हस भयानक
वार से बचना
होगा।



ऐन समय पर नागराज नागराज पर झूला गया,
और थोडांगा जा टकराया हाथी से —



हाथी पर भदे हाथी दांत के खजाने का ढेर थोडांगा पर आ गिरा—



इधर डेनियल बचे-खुचे जंगलियों की अपनी बंदूक का निशाना बना
रहा था—

तुम सबकी कण
यही बनेगी।

धीर धीर

आ SSS
SSS



सिसी भी दुश्मनों पर दूट
पड़ी थी—

आओ! आओ
कुत्तो!



उधर नागराज व थोडांगा आमने-सामने थे—

नागराज! आज तुम्हें
मारकर मैं विश्व के सभी महान
अपराधियों को तुम्हारे आत्मक
से मुक्त कर दूंगा।

बेटे थोडांगा! मैं
तुझे स्वतंत्र करने
अफ्रीका के जंगलों की
खाक छानता हुआ
यहां आया हूँ।



दोनों झोतान आपस में भिड़ गए —

आज
तुझे कोई शक्ति
नागराज के हाथों
मरने से नहीं
बचा सकती।



नागराज की थोडांगा की कलाई को नागराज की कलाई से
बांधती चली गई। इसी पल थोडांगा ने नागराज को
उछाल दिया—



पर चूंकि दोनों की कलाईयां आपस में बंधी थीं, अतः
थोडांगा भी पीछे गिरने पर विवश हो गया —



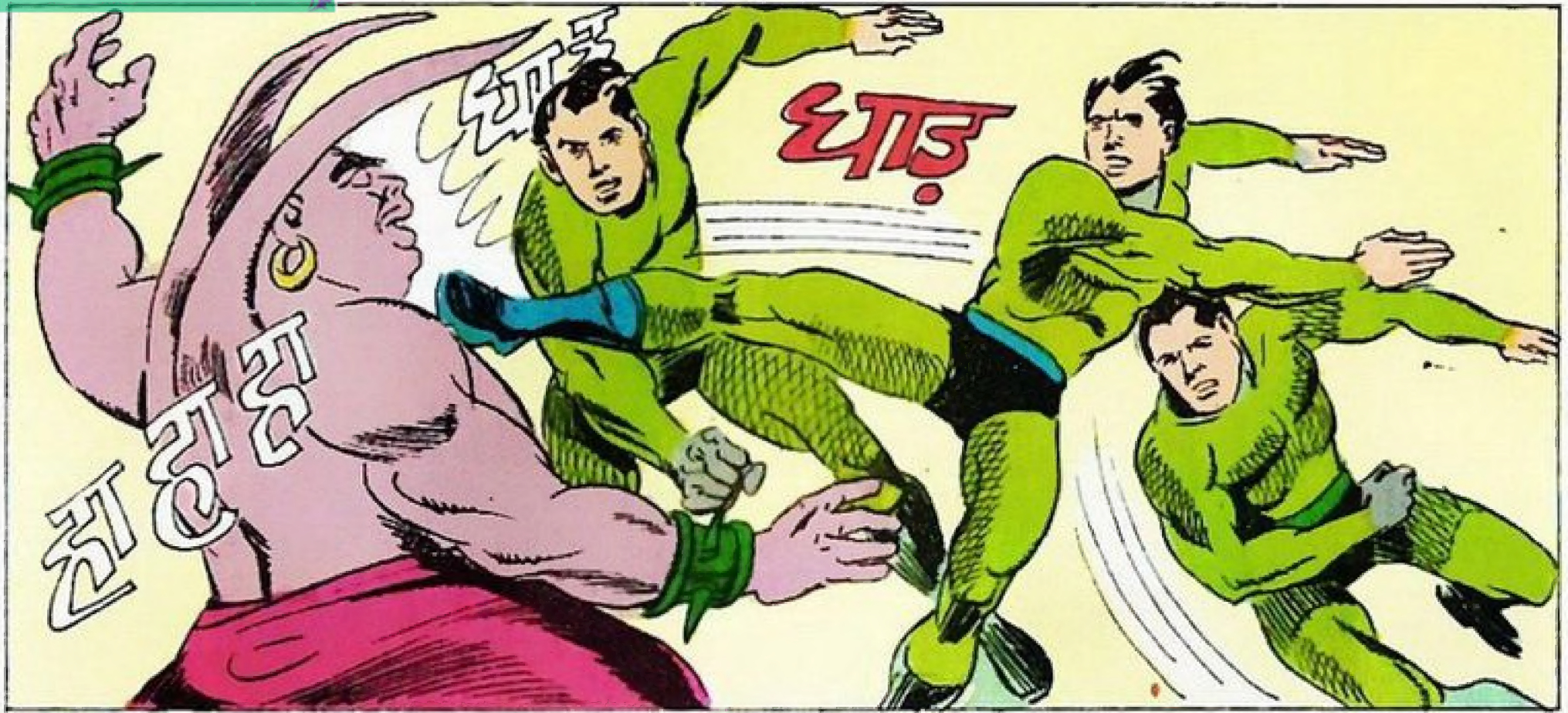
नागराज पुनः उछला, और —



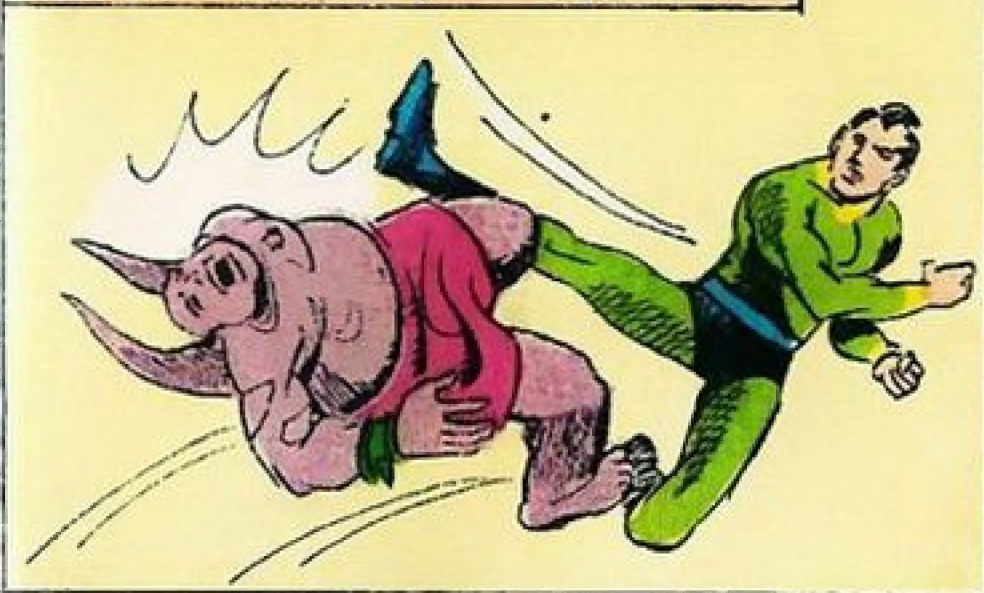
थोडांगा भी उछलकर खड़ा हो गया। तभी —

धड़ाक
हा हा हा





अगले ही पल नागराज हवा में उछला और -



फिर -

उफ! मेरा रक्षा कवच
टूटकर बिखर गया है। मैं इस
घाटी को तबाह कर दूंगा।
कोई नहीं बचेगा।



इन हारियों के शैलों में गोलाबारूद
भरा है, अगर मैं हूँ सारे गोला-
बारूद को उड़ा दूँ तो घाटी में
तबाही आ जायेगी।
हा हा हा।



हा हा हा



थोडांगा! रुक जा हत्यारे!
मत मार इन निरीह
प्राणीयों को।



वनों व बालू के धमाकों से घाटी धुआं-धुआं हो गई —



धुआं छंटा तो थोड़ागा वहां से गायब था —



कब तक बचेगा वह। एक न एक दिन तो उसे नागराज के हाथों मरना ही है।



और फिर नागराज के झरिर में वास करने वाले हजारों सांपों के नेता नागानन्द ने काबुकी तक का रास्ता पहचान लिया। इस प्रकार जंगल की सफाई का काम आरम्भ हुआ ताकि वहां पहुंचकर स्वजाने कीटकों में लादकर लाया जा सके। जब कि सेल्सगेम रिजर्व के जंगलों से विदा लेते नागराज की आंखें नम थीं —

